



9th CLASS - HINDI - VIDEO BASED - STUDY MATERIAL

Highlights of the study material:

- Written in simple Hindi Language.
- Video Explanation for every Question in Telugu.

Explanation Video's ముందుగా చూడటానికి క్రింది you tube చానల్ link ను క్లిక్ చేసి subscribe చేసుకోండి.



<https://www.youtube.com/channel/UCCP59ogwtsxho12dqnVYbVg>

M.V.V.N.BALARAMAMURTHY,
S.A. (HINDI), Z.P. HIGH SCHOOL,
BALLIPADU, ATTILI MANDAL,
WEST GODAVARI DISTRICT

1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए:-

क. कवि ने अग्निपथ किसके प्रतीक स्वरूप प्रयोग किया है ?

ज) कवि ने अग्निपथ जीवन के कई कठिनाई भरे रास्ते के लिए प्रयुक्त किया गया है। कवि कह रहे हैं कि मानव जीवन को पथ-पथ में संकट है, चुनौतियाँ हैं और कई कष्ट भी हैं। इस प्रकार मानव का जीवन संघर्षपूर्ण माना जाता है।

ख. मॉग मत, कर शपथ, लथपथ इन शब्दों का बार-बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहते हैं ?

ज) मॉग मत, कर शपथ, तथा लथपथ शब्दों का बार-बार प्रयोग करके कवि मनुष्य को कष्ट सहने के लिए तैयार करना चाहिए। कवि कह रहे हैं कि मनुष्य अपने जीवन में आँसू, पसीना और खून से लथपथ होन पर भी उनसे राहत और सुविधा न माँगता है। उन कष्टों का सामना करते हुए, संघर्षों का सामना करते हुए अपने जीवन को सफल बनाने की शपथ लेने का संदेश दे रहे हैं।

ग. एक मात्र छॉह भी मॉग मत इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

ज) इस पंक्ति का आशय यह है कि - मनुष्य अपने जीवन में केवल कष्ट भरे रास्ते ही आए। आराम या सुविधा के बिना निरंतर कष्टों का सामना करते ही रहे। इसी तरह जीवन को जीना है। हमेशा कष्टों से जूझते ही रहने की शक्ति माँगना है।

-2-

II भाव स्पष्ट कीजिए।

1 तू न थमेगा कभी

तू न मुड़ेगा कभी

ज) इन पंक्तियों का भाव यह है कि हे! मनुष्य जीवन में कितनी भी कठिनाइयाँ आएँ, पर उनसे हार मानकर कभी रुकना नहीं। संघर्ष से मुँह मोड़कर कभी वापस न लौटना। बस आगे ही बढ़ते रहना है।

<https://youtu.be/jpm7mObqzIU>

2 यल रहा मनुष्य है

अश्रु-श्वेद-रक्त से

लथपथ पथ पथ

ज) कवि देखता है कि जीवन पथ में बहुत ही कठिनाइयाँ होने के बाद भी मनुष्य उनसे हार माने बिना आगे बढ़ते जा रहा है। कठिनाइयों से संघर्ष करते हुए वह आँसू पसीने और खून से लथ पथ है। मनुष्य निराश हुए बिना आगे बढ़ता जा रहा है।

<https://youtu.be/fyyFxq98LNA>

3) इस कविता का मूल भाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

ज) अग्नि पथ नामक इस कविता का मूलभाव यह है कि निरंतर संघर्ष करते हुए अपना जीवन बिताओ।

* मानव जीवन आग से भरा पथ के समान है।

* पथ में अनेक चुनौतियाँ और कष्ट हैं।

- 3 -

- * मानव इनका सामना करते हुए अपने जीवन को बिताना है।
- * इन चुनौतियों से मुँह न मोडना है।
- * आँसू पीकर, पसीना बहाकर, खून से लथपथ होकर भी निरंतर संघर्ष करते रहना है।

कवि परिचय

कवि का नाम : हरिवंशराय बच्चन
जन्म : 21 नवंबर सन् 1907
जन्मस्थान : इलाहाबाद- उत्तर प्रदेश
रचनाएँ : मधुबाला, मधुशाला, निशा-निमंत्रण, रूप तरंगिनी

सारांश

अग्नि पथ कविता के कवि श्री हरिवंशराय बच्चन जी हैं। यह एक प्रेरणादायक कविता है।

मानव जीवन संघर्षमय है। उसी को अग्नि पथ कहा है। जीवन का रास्ता कठिनाइयों से भरा हुआ है। हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना है। किसी भी परिस्थिति में दूसरों का सहारा नहीं लेनी है। जीवन में आई कठिनाइयों का सामना करने पर ही लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कठिनाइयों से डरना नहीं है। जीवन में रुकना नहीं है। पीछे नहीं मुड़ना है। जीवन का रास्ता मुश्किल रूपी अंगारों से भर गया है फिर भी निडर होकर आगे बढ़ना है। **रास्ता आँसू, पसीना, खून से भीगकर भी निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।** तभी जीवन के संघर्ष में हमेशा जीत प्राप्त कर सकते

- 4 -

कवि परिचय

कवि का नाम : हरिवंशराय बच्चन
जन्म : 21 नवंबर सन् 1907
जन्मस्थान : इलाहाबाद- उत्तर प्रदेश
रचनाएँ : मधुबाला, मधुशाला, निशा-निमंत्रण, रूप तरंगिनी

सारांश

अग्नि पथ कविता के कवि श्री हरिवंशराय बच्चन जी हैं। यह एक प्रेरणादायक कविता है।

मानव जीवन संघर्षमय है। उसी को अग्नि पथ कहा है। जीवन का रास्ता कठिनाइयों से भरा हुआ है। हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना है। किसी भी परिस्थिति में दूसरों का सहारा नहीं लेनी है। जीवन में आई कठिनाइयों का सामना करने पर ही लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। कठिनाइयों से डरना नहीं है। जीवन में रुकना नहीं है। पीछे नहीं मुड़ना है। जीवन का रास्ता मुश्किल रूपी अंगारों से भर गया है फिर भी निडर होकर तभी जीवन के संघर्ष में हमेशा जीत प्राप्त कर सकते हैं।

विशेषताएँ : 1) सरल भाषा का प्रयोग।
2) अनुप्रास अलंकारों का प्रयोग।
3) प्रेरणादायक कविता है।